हिंदी दैनिक खबर

हर पल, हमारी खबर

केशववाणी

अनमोल वचन

"हार मत मानो, क्योंकि हर सुबह नई उम्मीद लेकर आती है।"
"जो गिरकर भी उठे, वही असली विजेता कहलाता है।"
"छोटे कदम भी बड़े सपनों तक पहुंचाते हैं।"

सोमवार 09 मार्च 2026 बर्ष 02 अंक 66 पृष्ठ 4 www.keshavtv24.com Email:keshavtvbihar@gmail.com

भारत की विकास यात्रा में महिलाओं की भूमिका अहम : डॉ. शमिका रवि

राजगीर स्थित नालंदा विश्वविद्यालय में 'नालंदा डेवलपमेंट डायलॉग 2026' का भव्य शुभारंभ

केशववाणी अनुमंडल संवाददाता, राजगीर।. राजीव लोचन की रिपोर्ट राजगीर (नालंदा)। भारत की विकास यात्रा में महिलाओं की भूमिका एक अत्यंत रोचक और प्रेरणादायक अध्याय है। महिलाओं की बढ़ रही भागीदारी से देश की आर्थिक और सामाजिक प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान है। ये बातें प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद की सदस्य एवं भारत सरकार में सचिव डॉ. शमिका रवि ने नालंदा विश्वविद्यालय में नालंदा डेवलपमेंट डायलॉग 2026 के उद्घाटन समारोह में कहीं। उन्होंने भारत की विकास यात्रा का व्यापक विश्लेषण प्रस्तुत किया। उन्होंने आर्थिक परिवर्तन, गरीबी उन्मूलन और क्षेत्रीय विकास की उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए श्रम बाजार, लैंगिक भागीदारी और वैश्विक आर्थिक परिवर्तनों से जुड़ी चुनौतियों पर भी प्रकाश डाला। येल विश्वविद्यालय के ग्लोबल जस्टिस प्रोग्राम के निदेशक और दार्शनिक प्रो. थॉमस पोगे ने विकास के पा. रंपरिक मापदंडों की आलोचनात्मक समीक्षा करते हुए कहा कि जीडीपी और सकल राष्ट्रीय आय जैसे संकेतक समाज में असमानता, मानव कल्याण और पर्यावरणीय प्रभावों को पूरी तरह प्रतिबिंबित नहीं करते। उन्होंने कहा कि 2030 के बाद के विकास विमर्श को सार्थक बनाने के लिए विकास के आकलन को व्यक्ति–केंद्रित, बहुआयामी और नैतिक दृष्टिकोण पर आधारित बनाना होगा। विख्यात अर्थशास्त्री और जवा. हरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के एमेरिटस प्रोफेसर प्रो. दीपक नय्यर ने कहा कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद स्थापित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था बदलते वैश्विक राजनीतिक और आर्थिक परिदृश्य के कारण धीरे–धीरे कमजोर

हो रही है।हालांकि उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जलवायु परिवर्तन, आर्थिक स्थिरता और वैश्विक सुरक्षा जैसी साझा चुनौतियों से निपटने के लिए देशों के बीच सहयोग पहले की तरह ही महत्वपूर्ण बना हुआ है। कहा कि ग्लोबल साउथ के देशों का बढ़ता आर्थिक और राजनीतिक प्रभाव एक अधिक संतुलित और बहुध्रुवीय वैश्विक व्यवस्था के निर्माण में योगदान दे रहा है।इससे पहले सेमिनार के शुरूआत में नालंदा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सचिन चतुर्वेदी सबों का स्वागत किया। उन्होंने विकास, समानता और सततता से जुड़े वैश्विक संवादों को पुनर्जीवित करने के महत्व पर प्रकाश डाला। कहा कि नालंदा डेवलपमेंट डायलॉग जैसे मंच उभरती चुनौतियों–जैसे बढ़ती असमानताएँ, आर्थिक विकास की पारिस्थि. तिक सीमाएं और बदलते भू–राजनीतिक परिदृश्य से निपटने के साथ–साथ 2030 के बाद के विकास एजेंडा के लिए नये विचारों को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। नालंदा जैसे संस्थानों की जिम्मेदारी पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि अकादमिक जगत और नीति–निर्माण के बीच सेतु स्थापित करने वाला समावेशी और अंतःविषय संवाद आवश्यक है, ताकि विशेषकर ग्लोबल साउथ के दृष्टिकोण से संतुलित और न्यायसंगत विकास को आगे बढ़ाया जा सके। इस सेमिनार में भारत और विदेश के प्रमुख नीति–निर्माताओं, अर्थशास्त्रियों और डेवेलपमेंन्ट एक्सपर्ट्स ने वैश्विक विकास की उभरती चुनौतियों तथा 2030 के बाद की विकास रूपरेखा पर विचार–विमर्श किया। सेंटर फॉर स्टडीज इन डेवलपमेंट एंड सस्टेनेबिलिटी द्वारा आयोजित यह संवाद विकास, सततता और वैश्विक सहयोग से जुड़े विषयों पर अकादमिक और नीतिगत विमर्श को आगे बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण मंच है।

भव्य रूप से निकाली जायेगी रामनवमी पर शोभा यात्रा

केशववाणी अनुमंडल संवाददाता, राजगीर। राजीव लोचन की रिपोर्ट राजगीर (नालंदा)। रामनवमी पर निकलने वाली शोभा यात्रा के सफल और शांतिपूर्ण आयोजन को लेकर स्थानीय लोगों एवं आयोजन समिति की बैठक हुई। इसमें शोभा यात्रा की तैयारियों, मार्ग, सुरक्षा व्यवस्था तथा विभिन्न व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। लोगों ने कहा कि इस वर्ष रामनवमी शोभा यात्रा को भव्य और आकर्षक बनाने के लिए विशेष तैयारियां की जा रही हैं। शोभा यात्रा में भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण एवं हनुमान जी की आकर्षक झांकियां निकाली जाएंगी। साथ ही भक्ति गीत, ढोल–नगाड़े और बैंड–बाजे के साथ शोभा यात्रा नगर के विभिन्न मार्गों से होकर गुजरेगी। यह भी निर्णय लिया गया कि शोभा यात्रा के दौरान अनुशासन और आपसी भाईचारा बनाये रखा जायेगा। प्रशासन के निर्देशों का पूरी तरह पालन किया जायेगा। लोगों ने कहा कि रामनवमी का पर्व भगवान श्रीराम के आदर्शों को याद करने का अवसर है। मौके पर विकास कुशवाहा, छोटेलाल राजवंशी, मीरा कुमारी, सूरज यादव, गीता यादव, अर्जुन प्रसाद गुप्ता, राजाराम प्रसाद, अजय गुप्ता, नागेंद्र मिस्त्री, राजकिशोर प्रसाद, रमेश कुमार पान, डॉ. पप्पू कुमारी, रामलगन चौधरी, नीतीश कुमार, सुनील कुमार सहित अन्य शामिल थे।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर नूरसराय के उद्यान महाविद्यालय में जीविका का भव्य कार्यक्रम, 400 दीदियों ने लिया हिस्सा

केशववाणी रानी सिन्हा की रिपोर्ट, नूरसराय, नालंदा। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जीविका की ओर से उद्यान महाविद्यालय नूरसराय में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुंदन कुमार (जिलाधिकारी, नालंदा) ने की। पिछले लगभग 20 वर्षों से जिले में महिलाओं के सामाजिक और आर्थिक उत्थान के लिए कार्य कर रही जीविका परियोजना ने लाखों महिलाओं को सशक्त बनाकर उन्हें नई पहचान दिलाने का कार्य किया है। इसी क्रम में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिलाओं के सम्मान में यह विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बिहार सरकार के ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार उपस्थित रहे। उनके साथ कौशलेंद्र कुमार (सांसद, नालंदा), डॉ. पी.के. सिंह (प्राचार्य, उद्यान महाविद्यालय), राम निरंजन सिंह (निदेशक, जीविका) और महुआ राय चौधरी (परियोजना समन्वयक) सहित कई गणमान्य अतिथि मौजूद रहे। अपने संबोधन में मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि राज्य और जिले के विकास में महिलाओं की भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने जीविका से जुड़ी महिलाओं के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि राज्य सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई योजनाएं चला रही है। उन्होंने विशेष रूप से मुख्यमंत्री महिला उद्यमी योजना और सतत जीविकोपार्जन योजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सतत जीविकोपार्जन योजना के तहत राज्य सरकार द्वारा प्रत्येक पात्र महिला को दो–दो लाख रुपये की सहायता दी जा रही है, जिससे महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही हैं और राज्य की अर्थव्यवस्था मजबूत हो रही है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत महिलाओं को ₹10,000 की राशि दी गई है और भविष्य में उन्हें अतिरिक्त वित्तीय सहायता भी प्रदान की जाएगी, जिससे वे सफल उद्यमी बन सकें।

मंत्री ने यह भी घोषणा की कि राज्य के सभी प्रखंडों में "जीविका दीदी हाट" की स्थापना की जाएगी, जहां जीविका से जुड़ी महिलाओं द्वारा बनाए गए उत्पादों की बिक्री होगी। साथ ही जिला स्तर पर "सरस मेला" के आयोजन की भी योजना है। इस अवसर पर सांसद कौशलेंद्र कुमार ने सभी महिलाओं को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की बधाई देते हुए कहा कि आज महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से पीछे नहीं हैं। वे अपने पैरों पर खड़ी होकर समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला रही हैं और राज्य की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। कार्यक्रम में करीब 400 जीविका दीदियों ने भाग लिया और इस दिन को महिला रोजगार दिवस के रूप में मनाया। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन मंत्री श्रवण कुमार, सांसद कौशलेंद्र कुमार, जिलाधिकारी कुंदन कुमार, जीविका निदेशक राम निरंजन सिंह, उद्यान महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पी.के. सिंह और जीविका से जुड़ी महिलाओं द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना पर आधारित एक चलचित्र भी प्रस्तुत किया गया। इसके बाद योजना की लाभुक नीतू कुमारी (बिहारशरीफ) ने अपना अनुभव साझा करते हुए बताया कि कोरोना काल में दिल्ली से लौटने के बाद उन्हें रोजगार की समस्या का सामना करना पड़ा था, लेकिन मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत मिली ₹10,000 की सहायता उनके लिए नई शुरुआत साबित हुई। इसके अलावा चंडी, नगरनौसा, राजगीर और नूरसराय प्रखंड की महिलाओं ने भी अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम में जीविका के राज्य कार्यालय से महुआ राय चौधरी, जीविका नालंदा के जिला परियोजना प्रबंधक संजय प्रसाद पासवान, संचार प्रबंधक संतोष कुमार, सामाजिक विकास प्रबंधक पंकज कुमार, कृषि प्रबंधक अनुराग कुमार, सूक्ष्म वित्त प्रबंधक शिव शंकर प्रसाद, प्रशिक्षण प्रबंधक राम पुकार तथा आनंद किशोर (प्रखंड परियोजना प्रबंधक, नूरसराय) सहित जीविका के कई अधिकारी और कर्मी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी ने महिलाओं के सशक्तिकरण और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

जरासंध स्मारक की पहली स्थापना दिवस जरासंध महोत्सव के रूप में धूमधाम से मनाया गया

केशववाणी अनुमंडल संवाददाता, राजगीर। राजीव लोचन की रिपोर्ट राजगीर (नालंदा) जयप्रकाश उद्यान में स्थापित जरासंध महाराज की प्रतिमा का पहला स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया। समारोह का उद्घाटन विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने किया। मुख्य अतिथि ग्रामीण विकास सह परिवहन मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने हजारों वर्षों के जरासंध महाराज के इतिहास को स्मारक का निर्माण कर जीवित करने का काम किया है। इसके लिए यह महोत्सव हमेशा उनकी याद दिलाता रहेगा। यह इतिहास के स्वर्णिम अक्षर में लिखा जायेगा। आयोग सदस्य प्रमोद चंद्रवंशी ने कहा कि सूबे की सरकार पर्यटन स्थलों को विकास करने के लिए लगातार प्रयासरत है। पूर्व विधान परिषद सदस्य प्रोफेसर रामबली सिंह चंद्रवंशी ने कहा कि यह मगध सम्राट जरासंध किसी एक जाति का नहीं बल्कि पूरे मगध देश का राजा थे। चन्द्रवंशी ने कहा कि अभी चंद्रवंशी भाइयों को अनुशासन सीखने की जरूरत है।
बड़े छोटे लोगों का ख्याल नहीं रखा जाता है। कार्यक्रम के दौरान स्टेज पर कुर्सी पर बैठने के लिए लोग अपाधापी करते नजर आये। इस पर उन्होंने गहरी नाराजगी जतायी। समाज के सुप्रसिद्ध दंत चिकित्सक डॉ. धर्मेंद्र कुमार ने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के शासनकाल में पर्यटन स्थलों को विकसित कर पर्यटकों को बढ़ावा देने का काम किया गया है।

राजगीर में मगध सम्राट जरासंध की प्रतिमा को स्थापित कर उन्होंने सभी समुदाय वर्ग के लोगों का मान सम्मान बढ़ाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि मगध सम्राट जरासंध महाराज को एक भगवान के रूप में पूजे जाते हैं। इस मौके पर राज्यसभा सदस्य डॉ. भीम सिंह चंद्रवंशी, पूर्व सांसद चंद्रेश्वर चंद्रवंशी, डॉ. धर्मेन्द्र कुमार चन्द्रवंशी, पूर्व पार्षद एवं सामाजिक कार्यकर्ता इंद्रमोहन सिंह निराला, सभापति जीरो देवी, अरुण कुमार, मिलन सिंह चंद्रवंशी सहित अन्य मौजूद थे।

बिहारशरीफ में अंतरराष्ट्रीय पत्र लेखन प्रतियोगिता 2026 का सफल आयोजन, 10 विद्यालयों के 132 विद्यार्थियों ने लिया भाग

केशववाणी प्रेम सिंघानिया की रिपोर्ट, बिहारशरीफ(नालंदा)। नालंदा डाक मंडल के अंतर्गत अंतरराष्ट्रीय पत्र लेखन प्रतियोगिता 2026 का आयोजन राजकीय कन्या मध्य विद्यालय, कामरुद्दीनगंज, बिहारशरीफ में शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित तरीके से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस प्रतियोगिता में नालंदा मंडल के कुल 10 विद्यालयों के 132 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी रचनात्मकता और लेखन कौशल का प्रदर्शन किया। इस कार्यक्रम का आयोजन डाक अधीक्षक कुंदन कुमार के मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से किया गया। उनके निरंतर प्रोत्साहन के कारण विद्यार्थियों में पत्र लेखन के प्रति विशेष जागरूकता और उत्साह देखने को मिला। प्रतियोगिता का संचालन केंद्राधीक्षक एवं डाक निरीक्षक, पूर्वी उपमंडल के नेतृत्व में सुचारू रूप से किया गया। उनके कुशल नेतृत्व और अथक प्रयास से पूरा कार्यक्रम व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विद्यार्थियों ने भी इस आयोजन पर खुशी जताई। उनका कहना था कि इस तरह की प्रतियोगिताएं उनकी रचनात्मकता को बढ़ाने के साथ–साथ पत्र लेखन की कला को समझने और अपने विचारों को प्रभावी ढंग से अभिव्यक्त करने का बेहतर अवसर प्रदान करती हैं।

विद्यार्थियों ने डाक विभाग की इस पहल की सराहना करते हुए भविष्य में भी इस प्रकार की प्रतियोगिताओं के आयोजन की उम्मीद जताई। इस अवसर पर विद्यालय परिवार, शिक्षकगण और डाक विभाग के सहयोगी कर्मचारियों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अंत में नालंदा डाक मंडल की ओर से सभी सहयोगियों के प्रति हार्दिक धन्यवाद और आभार व्यक्त किया गया।

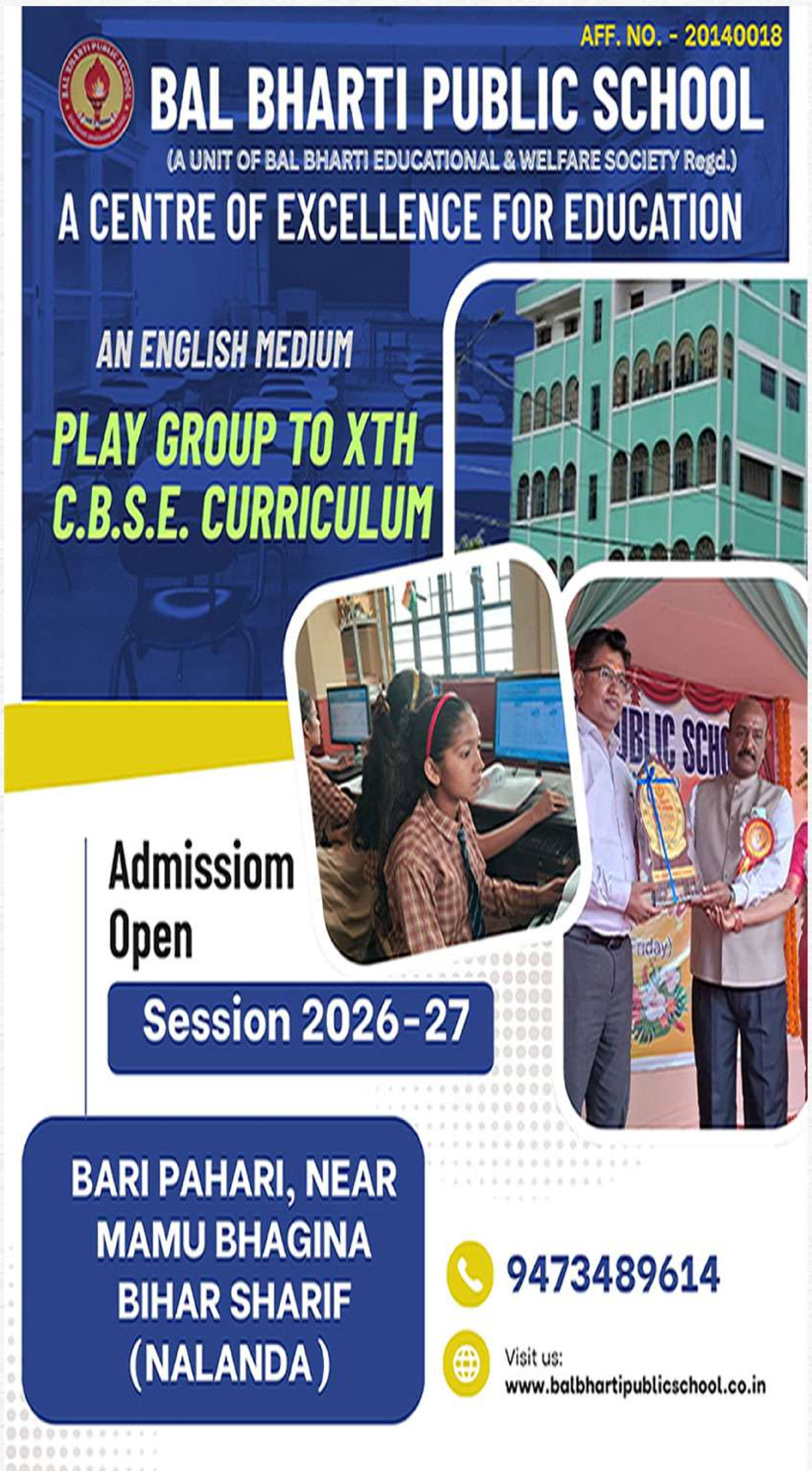

अपने क्षेत्र की खबर भेजने और विज्ञापन
देने के लिए संपर्क करें
7033325120

नालंदा में युवक की संदिग्ध मौत, परिजनों ने दोस्तों पर लगाया हत्या का आरोप

केशववाणी । गुड्डू कुमार की रिपोर्ट, बिहारशरीफ (नालंदा)। नालंदा जिले के दीपनगर थाना क्षेत्र के टाड़ापर गांव में एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक की पहचान टाड़ापर गांव निवासी सुभाष यादव के पुत्र ब्रजेश कुमार उर्फ नाटा के रूप में की गई है। घटना के बाद परिजनों ने युवक के दोस्तों पर हत्या का आरोप लगाया है। मृतक के पिता सुभाष यादव ने बताया कि शनिवार को सुबह करीब 10 से 11 बजे के बीच ब्रजेश के कुछ दोस्तों ने उसे फोन कर घर से बाहर बुलाया। इसके बाद वह उनके साथ दो बाइक पर सवार होकर चला गया। परिजनों के अनुसार, शाम करीब 5 बजे वही दोस्त ब्रजेश को उसके चाय की दुकान पर अचेत अवस्था में छोड़कर बिना कुछ बताए वहां से चले गए। परिजन आनन–फानन में ब्रजेश को इलाज के लिए एक निजी क्लीनिक ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए दूसरे अस्पताल ले जाने की सलाह दी। इसके बाद उसे सदर अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। सुभाष यादव का आरोप है कि उनका बेटा पहले सूखे नशे का आदी था, लेकिन पिछले ढाई से तीन महीनों से उसने नशा छोड़ दिया था। उन्होंने आशंका जताई कि जानबूझकर उनके बेटे को कहीं ले जाकर कुछ खिला–पिला दिया गया, जिससे उसकी मौत हो गई। इधर, दीपनगर थानाध्यक्ष राजमणि ने बताया कि प्राथमिक जांच में सामने आया है कि ब्रजेश कुमार सूखे नशे का आदी था। घटनास्थल से इंजेक्शन और सूखे नशे से संबंधित सामान भी बरामद किया गया है। फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया है। थानाध्यक्ष ने कहा कि परिजनों की ओर से आवेदन मिलने के बाद मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि ब्रजेश कुमार उर्फ नाटा पहले से ही कई मामलों में आरोपी रह चुका है।

राजगीर में ट्रेन की चपेट में आने से व्यक्ति की दर्दनाक मौत, खेत जाने के दौरान हुआ हादसा

केशववाणी । अनुमंडल संवाददाता, राजगीर। राजीव लोचन की रिपोर्ट राजगीर (नालंदा)। बख्तियारपुर–राजगीर रेलखंड पर राजगीर रेलवे स्टेशन के समीप शनिवार देर रात एक व्यक्ति की ट्रेन की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान राजगीर थाना क्षेत्र के पंचवटी नगर मोहल्ला निवासी स्वर्गीय रामकिशुन यादव के 46 वर्षीय पुत्र अखिलेश यादव के रूप में की गई है। मृतक के भांजे ने बताया कि शनिवार रात करीब 10 बजे अखिलेश यादव अपने घर से पास स्थित खेत में गेहूं की फसल की सिंचाई (पटाने) करने के लिए निकले थे। उनका खेत रेलवे लाइन के बिल्कुल बगल में स्थित है। आशंका जताई जा रही है कि देर रात रेलवे ट्रैक पार करने या पटरी के समीप रहने के दौरान वे किसी तेज रफ्तार ट्रेन की चपेट में आ गए, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी परिजनों को रविवार सुबह तब मिली, जब रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने उन्हें सूचना दी। खबर मिलते ही परिजन घटनास्थल पर पहुंचे, जहां अखिलेश यादव का शव क्षत–विक्षत हालत में रेलवे ट्रैक के पास पड़ा मिला। मामले की जानकारी देते हुए राजगीर रेलवे स्टेशन के जी. आरपी प्रभारी जितेंद्र कुमार ने बताया कि घटना शनिवार देर रात करीब 2 बजे की है। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उन्होंने बताया कि शव का पोस्टमार्टम बिहारशरीफ के मॉडल सदर अस्पताल में कराया गया है। इस संबंध में यूडी (अप्राकृतिक मृत्यु) केस दर्ज कर लिया गया है और पूरे मामले की जांच की जा रही है।

अंतरराष्ट्रीय लीफ आर्टिस्ट मधुरेंद्र कुमार ने अनोखे अंदाज में दी निशांत कुमार को बधाई

केशववाणी । पटना, बिहार। बिहार के प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय लीफ आर्टिस्ट मधुरेंद्र कुमार ने युवा नेता निशांत कुमार को एक अनोखे अंदाज में बधाई दी है। उन्होंने पीपल के एक छोटे से हरे पत्ते पर बारीक कलाकृति बनाकर "वेलकम टू जदयू दृ कांग्रट्स निशांत " लिखते हुए अपनी शुभकामनाएं व्यक्त की हैं। कलाकार मधुरेंद्र कुमार ने लगभग पांच घंटे की मेहनत से करीब 3 सेंटीमीटर के पीपल के पत्ते पर बेहद सूक्ष्म और आकर्षक कला उकेरी है। इस कलाकृति में नीतीश कुमार द्वारा निशांत कुमार को बधाई देते हुए एक मनमोहक चित्र बनाया गया है। इसके साथ ही पत्ते पर "जदयू में आपका स्वागत है दृ बधाई हो निशांत" का संदेश भी अंकित किया गया है। मधुरेंद्र कुमार ने बताया कि इस विशेष कलाकृति के माध्यम से उन्होंने निशांत कुमार को शुभकामनाएं देते हुए यह संदेश देने की कोशिश की है कि वे अपने पिता और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के अधूरे कार्यों को आगे बढ़ाएं और राज्य के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि कला के माध्यम से समाज और राजनीति के महत्वपूर्ण क्षणों को अभिव्यक्त करना उनकी विशेषता रही है और इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने यह अनोखी लीफ आर्ट तैयार की है। मधुरेंद्र कुमार की यह अनोखी कलाकृति सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। लोग इस बारीक और अद्भुत कला की जमकर सराहना कर रहे हैं। बिहार भर में यह लीफ आर्ट इन दिनों चर्चा का विषय बना हुआ है और कला प्रेमियों के बीच खासा आकर्षण का केंद्र बनी हुई है।

तीसरी पुण्यतिथि पर समाजसेवी को लोगों ने किया याद

समाज के लिए अनुकरणीय रहेंगे रामस्वरूप जी – श्यामदेव राजवंशी

केशववाणी । अनुमंडल संवाददाता, राजगीर। राजीव लोचन की रिपोर्ट राजगीर (नालंदा)। लोगों के द्वारा किये गये काम हमेशा ही याद रखे जाते हैं। अपने जीवन में अच्छे काम करें। हमेशा ही लोगों के लिए अनुकरणीय बने रहेंगे। ये बातें पूर्व उप मुख्य पार्षद सह वार्ड पार्षद श्यामदेव राजवंशी ने रविवार को राजवंशी मार्केट में समा. जसेवी रामस्वरूप प्रसाद के तीसरी पुण्यतिथि पर कहीं। उन्होंने कहा कि रामस्वरूप प्रसाद जी मृदु भाषी थे। सबों से बेहतर व्यवहार करते थे। उनको समाज के लोग भी काफी पसंद करते थे। भारतीय अनार्य पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सम्पति कुमार ने कहा कि माता–पिता की सेवा से बढ़कर कोई सेवा नहीं होती है। हम सबों को उनके बताये रास्ते पर चलकर ही काम करना होगा। वे हमारे लिए हमेशा आदर्श बने रहेंगे।इससे पहले सुख नारायण गुप्ता ने रामस्वरूप प्रसाद जी के तीसरी पुण्यतिथि पर अपने बात रखी और उन्हें याद किया। इस मौके पर राजेन्द्र राजवंशी, अधिवक्ता धीरेन्द्र कुमार, अधिवक्ता विश्वनाथ प्रसाद, पुरषोतम प्रसाद, आनंदी राजवंशी, कारू राजवंशी, गोरेलाल राजवंशी, सौरव कुमार, श्वेता राजवंशी, रानी अमर राज, सुनीता कुमारी, सदन राजवंशी, बबलू कुमार, नीतू देवी, सुनील राजवंशी, उदय राजवंशी, वार्ड पार्षद कविता कुमारी, मनोहर कुमार चौधरी, सहित अन्य ने उन्हें याद किया।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर बराबरी के अधिकार के लिए जनआंदोलन जरूरी– राजकुमार भारत

केशववाणी । प्रेम सिंघानिया की रिपोर्ट, (नालंदा)। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सर्वोदय नेता राजकुमार भारत ने महिलाओं से सभी क्षेत्रों में एकजुट होकर बराबरी के अधिकार के लिए जनआंदोलन चलाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि नारी शक्ति न्याय, साहस, संवेदनशीलता और संघर्ष की प्रतीक है, जो समाज में समानता की नई दिशा तय करने के लिए लगातार प्रयासरत है। राज. कुमार भारत ने कहा कि महिलाओं को अपने अधिकारों के लिए लंबी लड़ाई लड़नी होगी। उन्होंने कहा कि महिलाओं को अपने हक के लिए किसी से भीख मांगने की जरूरत नहीं है, बल्कि उन्हें स्वतंत्र, स्वावलंबी और आर्थिक, सामाजिक तथा राजनीतिक रूप से मजबूत बनकर अपने अधिकार हासिल करने होंगे। उन्होंने कहा कि आधी आबादी को अपने आत्मसम्मान, सामाजिक सुरक्षा और समान अधिकारों के लिए स्वयं मजबूत निर्णय लेने होंगे। उन्होंने कहा कि हर वर्ष 8 मार्च को महिला दिवस मनाया जाता है, लेकिन यह भी जरूरी है कि समाज यह आत्ममंथन करे कि बाकी पूरे साल महिलाओं के अधिकारों और सम्मान के लिए क्या किया जाता है। आज भी समाज के कई हिस्सों में महिलाओं को घर, कार्यस्थल और सामाजिक जीवन में भेदभाव, हिंसा और दबाव का सामना करना पड़ता है। मानव तस्करी, जबरन देह व्यापार, घरेलू हिंसा और असमान अवसर जैसी समस्याएं आज भी गंभीर चुनौती बनी हुई हैं। उन्होंने कहा कि केवल उत्सव मनाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि हर दिन महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और अधिकारों के लिए संघर्ष और एकजुटता जरूरी है। उन्होंने विशेष रूप से युवतियों, किसान–मजदूर परिवारों की बेटियों, छोटे दुक. ानदारों और कामगार वर्ग की महिलाओं को व्यवस्था परिवर्तन की सबसे मजबूत उम्मीद बताया।राजकुमार भारत ने सभी से संकल्प लेने का आह्वान करते हुए कहा कि महिलाओं के सम्मान, न्याय और बराबरी के अधिकार की लड़ाई केवल एक दिन की नहीं बल्कि हर दिन की प्रतिबद्धता होनी चाहिए। साथ ही उन्होंने समाज में प्रेम, सत्य और मानवता के मूल्यों को बढ़ावा देने तथा भ्रष्टाचार और नफरत फैलाने वाली ताकतों का बहिष्कार करने की भी अपील की। इस अवसर पर उन्होंने सभी महिलाओं को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। इस बयान को जारी करने वालों में शीलम झा भारती (राष्ट्रीय अध्यक्षा, महिला प्रकोष्ठ), उर्मिला देवी, जानवी सिंह (झारखंड), उषा भारती (हरियाणा), रत्ना सिंह (दिल्ली), सिम. रनजीत कौर, अमरजीत कौर (पंजाब), कृष्णा देवी, शांति पासवान, किरण कुशवाहा (बिहार) और शबनम सहित कई महिला नेताओं के नाम शामिल हैं। यह बयान संयुक्त किसान मोर्चा (भारत), ग्राम स्वराज आंदोलन और भारत किसान जागृति संगठन के संयुक्त अभियान के तहत जारी किया गया।

भारत के टॉप प्राईवेट यूनिवर्सिटी में शिक्षा के लिए करें आवेदन
अपने करियर को दे नई उड़ान......
1. यूजीसी द्वारा मान्यता प्राप्त
2. बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड की सुविधा उपलब्ध
ENGINEERING | MEDICAL | MANAGEMENT | B.Ed
PHARMACY | AGRICULTURE | B.Sc NURSSING
COMPUTER APPLICATION | B.Sc, B.Com, B.A. M.Sc.
M.Com, M.A., PHd
& OTHER COURSES
आवेदन के लिए संपर्क करें
अमर वर्मा
संपर्क :- 8210335159
ग्राम देवधा निकट पावापुरी रोड, स्टेशन, बिहार शरीफ (नालन्दा)

अपने क्षेत्र की खबर भेजने और विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें
7033325120

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर भाजपा महिला मोर्चा का कार्यक्रम आयोजित

केशववाणी । शंकर कुमार की रिपोर्ट, बिहारशरीफ (नालंदा)। भारतीय जनता पार्टी के महिला मोर्चा, नालंदा द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर शनिवार को बिहारशरीफ के नई सराय स्थित प्रणव मैरेज हॉल में महिला दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मातृशक्ति की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में प्रदेश कार्यसमिति सदस्य आश्रिती शर्मा, पूर्व लोकसभा प्रत्याशी चंद्रकांता सिंह मुख्य रूप से मौजूद रहीं, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता रुचि श्रीवास्तव ने की। इस मौके पर आश्रिती शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रही हैं। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए कई ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं, जिनसे देशभर में महिलाओं को नई पहचान और अवसर मिल रहे हैं। पूर्व लोकसभा प्रत्याशी चंद्रकांता सिंह ने कहा कि महिला शक्ति समाज की आधारशिला है। जब महिलाएं शिक्षित और सशक्त होंगी, तभी समाज और राष्ट्र का समग्र विकास संभव हो सकेगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं रुचि श्रीवास्तव ने कहा कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए आगे आना होगा और समाज में अपनी भागीदारी को और मजबूत करना होगा।

उन्होंने कहा कि भाजपा महिला मोर्चा लगातार महिलाओं को जागरूक और सशक्त बनाने की दिशा में कार्य कर रहा है। इस अवसर पर महिला मोर्चा की महामंत्री डॉ. रेनू, चुनचुन देवी, रूबी देवी, कंचन कुमारी, आरती देवी, रिंकू देवी, चिंता देवी, रीना सिंह, गायत्री देवी सहित महिला मोर्चा की कई कार्यकर्ता उपस्थित रहीं।

नालंदा में बाल विवाह के खिलाफ चला जागरूकता अभियान, 'बाल विवाह मुक्ति रथ' ने 1600 किमी की यात्रा कर 3 लाख लोगों को किया जागरूक

केशववाणी । शंकर कुमार की रिपोर्ट, बिहारशरीफ (नालंदा)। भारत सरकार के केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की पहल पर संचालित 100 दिवसीय गहन जागरूकता अभियान के तहत नालंदा जिले में बाल विवाह के खिलाफ व्यापक अभियान चलाया गया। 'बाल विवाह मुक्ति रथ' की यात्रा के समापन अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में आइडिया समाजसेवी संस्थान ने जिले को बाल विवाह मुक्त बनाने के संकल्प को दोहराया। अभियान के दौरान लोगों को बाल विवाह के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया गया और उन्हें इस कुप्रथा के खिलाफ शपथ दिलाई गई। साथ ही बाल विवाह से जुड़े कानूनी प्रावधानों की जानकारी भी दी गई। संस्थान के प्रतिनिधियों ने स्पष्ट कहा कि बाल विवाह बच्चों के साथ होने वाला अपराध है, जो कानून की नजर में दंडनीय है। इस अभियान की सफलता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि सांसद कौशलेन्द्र कुमार द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किए गए 'बाल विवाह मुक्ति रथ' ने मात्र 30 दिनों में लगभग 1600 किलोमीटर की यात्रा तय की। इस दौरान रथ 125 गांवों तक पहुंचा और करीब 3 लाख लोगों को बाल विवाह के खिलाफ जागरूक किया गया। मुख्य मार्गों पर रथ के माध्यम से संदेश पहुंचाया गया, जबकि सुदूरवर्ती और दुर्गम गांवों में पहुंचने के लिए मोटरसाइकिल और साइकिल कारवां का सहारा लिया गया, ताकि जिले का कोई भी क्षेत्र इस जागरूकता अभियान से अछूता न रहे।रविवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में आइडिया समाजसेवी संस्थान की निदेशक रागिनी कुमारी ने इस अभियान को केवल प्रतीकात्मक नहीं बल्कि "परिवर्तनकारी यात्रा" बताया। उन्होंने कहा कि बाल विवाह बच्चों के भविष्य को कुपोषण, अशिक्षा और गरीबी के दुष्चक्र में धकेल देता है। उन्होंने समाज के सभी वर्गों से अपील करते हुए कहा कि बाल विवाह को केवल सामाजिक कुप्रथा न मानकर बच्चों के खिलाफ होने वाला अपराध समझा जाए। उन्होंने बताया कि इस अभियान को तीन चरणों में योजनाबद्ध तरीके से चलाया गया। पहले चरण में शैक्षणिक संस्थानों को जोड़ा गया, जबकि दूसरे चरण में धर्मगुरुओं की भागीदारी सुनिश्चित की गई। धर्मगुरुओं से अपील की गई कि वे किसी भी विवाह को संपन्न कराने से पहले वर–वधू की आयु की सख्ती से जांच करें। अभियान के दौरान विवाह आयोजनों से जुड़े विभिन्न सेवा प्रदाताओं जैसे कैटरर्स, सजावट करने वाले, बैंकट हॉल संचालकों और बैंड–बाजा समूहों को भी जागरूक किया गया। उन्हें चेतावनी दी गई कि बाल विवाह में किसी भी प्रकार की सेवा या सहयोग देना कानूनन अपराध है और इसके लिए सजा का प्रावधान है। तीसरे चरण में जिले की विभिन्न पंचायतों में व्यापक स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम चलाए गए। सरकार, प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी के कारण यह अभियान एक जनआंदोलन का रूप लेता दिखाई दिया। इससे अब बाल विवाह मुक्त नालंदा का लक्ष्य वास्तविकता के काफी करीब नजर आ रहा है। इस अवसर पर मनु कुमार, उज्ज्वल कुमार, विवेक कुमार, गंगोत्री कुमारी, सुशीला देवी, विनोद पांडे और अश्वनी कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

रेड क्रॉस सोसाइटी द्वारा साप्ताहिक निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित, 152 मरीजों की हुई जांच

केशववाणी । अमर वर्मा की रिपोर्ट, बिहारशरीफ (नालंदा)। भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी की जिला शाखा नालंदा द्वारा रविवार को बिहारशरीफ के श्रम कल्याण केंद्र मैदान स्थित विस्तारित भवन में साप्ताहिक निरूशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में विभिन्न रोगों से पीड़ित मरीजों को विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा जांच कर आवश्यक चिकित्सा परामर्श दिया गया। शिविर का मुख्य उद्देश्य निसहाय और जरूरतमंद लोगों को निरूशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। जांच कराने पहुंचे लाभार्थियों ने रेड क्रॉस सोसाइटी के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे शिविर उनके लिए काफी लाभदायक साबित हो रहे हैं। सोसाइटी की ओर से बताया गया कि यह स्वास्थ्य जांच शिविर आगे भी जारी रहेगा और प्रत्येक रविवार को लोगों को निरूशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जाएंगी। शिविर में कुल 152 मरीजों की स्वास्थ्य जांच की गई। इसमें शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. श्याम बिहारी ने 40 मरीजों का इलाज किया, जबकि नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. अभिनव कुमार सिंह ने 40 लोगों की आंखों की जांच की। वहीं फिजिशियन डॉ. वीरेंद्र कुमार, डॉ. अखिलेश कुमार और डॉ. उमेश कुमार सिन्हा ने लगभग 60 मरीजों को चिकित्सा परामर्श दिया। इसके अलावा दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. रवि कुमार ने 15 मरीजों की जांच की, जबकि फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. मोहम्मद शहजाद आलम ने 20 मरीजों को उपचार संबंधी सलाह दी। होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ. गौतम कुमार और डॉ. रितेश कुमार ने 15 लोगों की जांच की। इसके साथ ही शिविर में 31 लोगों की मधुमेह (शुगर) जांच भी की गई।

शिविर में ऑडियोलॉजिस्ट डॉ. प्रदीप कुमार सिंह सहित अन्य विशेषज्ञ चिकित्सकों ने भी मरीजों की जांच कर उन्हें आवश्यक सलाह दी और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का समाधान किया।इस आयोजन को सफल बनाने में रेड क्रॉस सोसाइटी के सचिव राजेश कुमार, कोषाध्यक्ष अरविंद पंडित, कार्यकारिणी सदस्य मनोज कुमार तथा आजीवन सदस्य नागेंद्र कुमार, बृज बिहारी, राकेश कुमार पंकज, प्रो. स्वधर्म कुमार, डॉ. एस.एम. मुजफ्फर जमाल, रागिनी कुमारी, साधु शरण प्रसाद, गौरव कुमार, अरुण कुमार और संजय कुमार ने सक्रिय भूमिका निभाई। इन सभी सदस्यों ने मरीजों का पंजीकरण, कतारों का प्रबंधन और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से संचालित करने में सहयोग किया। उपस्थित लोगों ने उनके समर्पण और सेवा भावना की सराहना करते हुए कहा कि इसी प्रयास से शिविर सफलतापूर्वक संपन्न हो सका।

महिला दिवस पर पटना जंक्शन की कमान महिलाओं के हाथों में, महिला क्रू ने चलाई पटना–इस्लामपुर मेमू ट्रेन

केशववाणी । गुड्डु कुमार की रिपोर्ट, इस्लामपुर (नालंदा)। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रविवार को पूर्व मध्य रेलवे के दानापुर मंडल में महिला सशक्तिकरण की एक प्रेरणादायक तस्वीर देखने को मिली। 'नारी शक्ति' को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मंडल के सबसे व्यस्त स्टेशनों में से एक पटना जंक्शन का संचालन पूरी तरह महिला रेल कर्मचारियों के हाथों में रहा। स्टेशन प्रबंधन से लेकर ट्रेनों के परिचालन तक सभी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां महिलाओं ने सफलतापूर्वक निभाईं। इस विशेष अवसर पर पटना –इस्लामपुर मेमू सवारी गाड़ी का परिचालन पूरी तरह महिला क्रू–मेंबरों द्वारा किया गया। लोको पायलट गुड्डी कुमारी और सहायक लोको पायलट कुमारी दिव्या ने ट्रेन के इंजन की कमान संभाली, जबकि ट्रेन मैनेजर (गार्ड) के रूप में मनीषा कुमारी ने अपनी जिम्मेदारी का कुशलतापूर्वक निर्वहन किया।इसके साथ ही रेलवे की जटिल प्रणाली मानी जाने वाली रूट रिले इंटरलोकिंग (आरआरआई) का संचालन स्टेशन मास्टर अंशु कुमारी और संगीता कुमारी ने संभाला। सिर्फ ट्रेनों का संचालन ही नहीं, बल्कि स्टेशन प्रबंधन के अन्य मोर्चों पर भी महिलाओं की सक्रिय भूमिका रही। यार्ड संचालन, भीड़ प्रबंधन, साफ–सफाई और सुरक्षा व्यवस्था की जिम्मेदारी भी महिला कर्मियों ने संभाली। इसके अलावा टीआरडी, ओएचई, पीआरएस (आरक्षण), यूटीएस (अनारक्षित टिकट) और टिकट चेकिंग जैसे तकनीकी व वाणिज्यिक कार्यों में भी महिला कर्मचारियों ने अपनी कार्यकुशलता का परिचय दिया। दानापुर मंडल की इस पहल ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि आधुनिक रेल संचालन के हर क्षेत्र में महिलाएं पूरी तरह सक्षम हैं और नेतृत्व की भूमिका निभाने के लिए भी तैयार हैं। यह पहल महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक प्रेरणादायक उदाहरण बनकर सामने आई।

अपने क्षेत्र की खबर भेजने और विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें
7033325120